केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 02 सोमवार 21 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार होने की उम्मीद

नई दिल्ली (आभा)। संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने की उम्मीद है। सरकार का कहना है कि वह नियमों और परंपराओं के तहत सभी मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने को तैयार है। वहीं, विपक्ष ने साफ कर दिया है कि वह ऑपरेश सिंदूर, संघर्ष विराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों, विदेश नीति और बेरोजगारी सहित आम आदमी से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन को अच्छी तरह चलाना सरकार के साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी है।

विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की चर्चा कराने की मांगों पर उन्होंने कहा कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के अंदर चर्चा कराने के लिए तैयार है। सरकार सिंदूर और ट्रंप के दावों पर उचित जवाब देगी। दूसरी तरफ, विपक्ष ने सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र के प्रति गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री को विदेश जाना था, तो उन्होंने सत्र की तिथि क्यों तय की थी। इन सबके बावजूद कांग्रेस ने उम्मीद जताई है कि विदेश से लौटने के बाद प्रधानमंत्री सदन में अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से भारत की गरिमा को ठेस पहुंची है। उनके सवालों का जवाब सिर्फ प्रधानमंत्री दे सकते हैं। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों से बातचीत करने से भी कतरा रहा है, कोई स्पष्टीकरण नहीं दे रहा। इससे पूरे चुनावी ढांचे पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। दरअसल, संसद के मानसून सत्र में आपसी तालमेल और एकजुटता को लेकर शनिवार शाम इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई थी। इमें इंडिया गठबंधन के घटकदलों ने आठ मुद्दे तय किए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार को घेरेगा।

सी.एम.ओ. ने किया गोटवा में कावड़ियों के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा द्वारा रविवार से कांवड़ यात्रा चलने तक कावड़ियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम ने गोटवा हाइवे के निकट संचालित शिविर का उद्घाटन करते हुये कहा कि कांवडियो की सेवा पुनीत कार्य है। डा. वी.के. वर्मा और स्वास्थ्य कर्मियों की पहल सराहनीय है।

पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि पिछले कई वर्षो से कावड़ियों से निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करायी जाती है। चिकित्सक, फार्मासिस्ट, नर्स लगातार अपनी सेवायें दे रहे हैं। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर के अध्यक्ष राम दयाल चौधरी, डा. श्याम नरायन, सिविल डिफेंस के डा. कुलदीप सिंह और उनके सहयोगी भी योगदान दे रहे हैं।

कावड़ियों के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन, डा. विनोद गौतम, डा. आर.एन. चौधरी, राजेश पटेल, डा. सी.एम. पटेल, डा. कुशवाहा, डा. मनोज मिश्रा, डा. चन्दा सिंह, डा. लालजी यादव, डा. रितेश चौधरी, डा. गौरव पाण्डेय, डा. विवेक, डा. राजेश चौधरी, डा. शैलेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र चौधरी, संदीप कुमार के साथ ही अनेक कांवडिये शामिल रहे।

जमीन पर कब्जा करने का षड़यंत्र, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के माझा खुर्द निवासी बलिराम पुत्र जगन्नाथ ने पुलिस अधीक्षक और डीआईजी को पत्र भेजकर अपनी जमीन से दबंगों द्वारा जबरिया कब्जा किये जाने के षडयंत्र का आरोप लगाया है। पत्र में बलिराम ने कहा है कि उसकी जमीन गाटा संख्या 122 ख/0.120 हे. है, इस पर गांव के ही

उमाशंकर पुत्र राम मिलन, दुर्गा प्रसाद पुत्र दूबर, पंकज पुत्र चन्द्रिका, सुभाष पुत्र रघुनाथ अमित पुत्र छोटेलाल जबरिया ग्राम प्रधान राम मूर्ति, हल्का लेखपाल अवधेश लाल श्रीवास्तव से मिलकर जमीन हथियाने के फिराक में है। बलिराम ने उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही उसके जमीन और परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

आम आदमी पार्टी ने शुरू किया हर घर सम्पर्क अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को आम आदमी पार्टी की बैठक जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा की अध्यक्षता में मड़वानगर स्थित बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर पार्क के निकट सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिये निरन्तर प्रयास जारी है। मुख्य अतिथि महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष एवं बस्ती की संगठन प्रभारी नीलम यादव ने कहा कि प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने हर घर सम्पर्क अभियान चला रही है। इसका उद्देश्य लोगों को पार्टी के विचारो से जोड़कर जन

केन्द्रित राजनीति को मजबूत करना है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष बौद्ध प्रान्त कुलदीप जायसवाल, जिला प्रभारी संतकबीर नगर हरेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे पार्टी के नीति, कार्यक्रम से लोगों को जोड़े।

बैठक में मुख्य रूप से चन्द्रभान कन्नौजिया, डा. राम सजन सूर्यबंशी, संजय कुमार चन्द्रबंशी, उमेश कुमार शर्मा, मिथलेश भारती, प्रर्मिला वर्मा, वीरेन्द्र कुमार, गुलाब, सुनीता देवी, प्रमोद कुमार, सुशीला देवी, निरंजना देवी, प्रमोद कुमार, मंजू देवी आदि शामिल रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया कांवड़ यात्रा के तैयारियों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुरक्षित कांवड़ यात्रा के लिये रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सभासद कृष्ण कुमार पाण्डेय, राम सनेही यादव और स्थानीय नागरिकों के साथ पालिका क्षेत्र की सड़कों, अमहट घाट, पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था ,घाटों पर बैरिकेटिंग , शौचालय हेतु उचित व्यवस्था , एवं साफ – सफाई , स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता को निर्देश दिया कि श्रद्धालु कांवड़ियों को किसी प्रकार की

असुविधा न होने पाये। उन्हें हर स्तर पर बेहतर सुविधा उपलब्ध करायी जाय।

निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता जल श्रीमती श्रीमती अर्चना कुमारी , अवर अभियंता सिविल अर्पित निगम ,सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दिनेश कुमार वर्मा, अवधेश कुमार यादव ,प्रकाश निरीक्षक अमित कुमार शुक्ला , दुर्गेश त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

लाखों शिव भक्त लंगर में करेंगे प्रसाद ग्रहण –तेज प्रताप सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय बस्ती संवाददाता। माँ शान्ति सेवा संस्थान के तत्वाधान में फुटहिया चौराहे पर हर वर्ष चलने वाले भंडारे की तैयारियां पूरी हो चुकी है। यह जानकारी देते हुए माँ शान्ति सेवा संस्थान के अध्यक्ष तेज प्रताप सिंह सुड्डू ने कहा कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमे शिव भक्तो के विश्राम करने से लेकर उनके लिये भोजन, चिकित्सा व्यवस्था के लिये कुशल डाक्टरों की टीम रहेगी।

21 एवं 22 जुलाई को अनवरत चलने वाले भंडारे में सफाई व्यवस्था

का विशेष ध्यान रखा गया है। जिसमे सफाई कर्मियों की टीम व्यवस्था संभालेगी।

बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है। दो दिनों तक चलने वाले आयोजन में प्रसिद्ध गायक पवन सिंह एवं मनोज तिवारी के कार्यक्रम समा बांधेगे। आयोजन में तमाम राजनीतिक शख्सियतों का आगमन होगा।

भारतीय बस्ती के 47 वें स्थापना दिवस पर विभूतियां सम्मानित, 'पूर्वान्चल की पत्रकारिता में पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय का योगदान' विषयक गोष्ठी में व्यापक विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–पत्रकारिता की पाठशाला थे पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय– महेश शुक्ल

बस्ती। दैनिक भारतीय बस्ती का 47 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब सभागार में संकल्पों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डा. वी.के. वर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, कृष्णदेव मिश्र, सज्जाद रिजवी, राजेश कुमार पाण्डेय 'गांधियन, सुनील कुमार भट्ट, वीरेन्द्र गोस्वामी, देवेन्द्र पाण्डेय, विवेक कुमार मिश्र, जय प्रकाश गोस्वामी, राजेश कुमार पाण्डेय, को हरिश्चन्द्र अग्रवाल, मो. इब्राहिम, हीरालाल गुप्ता स्मृति सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

'पूर्वान्चल की पत्रकारिता में पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय का योगदान' विषयक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल ने कहा कि वे पत्रकारिता की चलती फिरती पाठशाला थे। उनके सानिध्य में अनेक लोगों ने पत्रकारिता सीख कर समाचार पत्र निकाले। पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाराम चौधरी ने पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि वे बातों को दिल में नहीं रखते थे, मुंह पर कह देते थे। आज वे इस दुनियां में नहीं है किन्तु उनके विचार और संस्कार सदैव मार्ग दर्शन करते रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने निष्ठावान, समर्पित पत्रकारिता की नींव रखी। नयी पीढी उसे विस्तार दे रही है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय का पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान सदैव याद किया जायेगा।

गोष्ठी को प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, जयन्त कुमार मिश्र, जगदीश प्रसाद शुक्ल, कृष्णदेव मिश्र, सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी, सरदार जगवीर सिंह, डॉ. दशरथ प्रसाद यादव, डा. सत्यव्रत, रामकृष्ण लाल जगमग, तारिक मंजूर,, गोपेश्वर त्रिपाठी, कौशल कुमार पाण्डेय, अनिरूद्ध त्रिपाठी, मजहर आजाद, योगेश शुक्ल, डा. वी.के. वर्मा आदि ने सम्बोधित करते हुये पं. दिनेश चन्द्र पाण्डेय की स्मृतियों को साझा किया और कहा कि वे ऐसे समय के पत्रकार थे जब बस्ती मण्डल में पत्रकारों की संख्या 5 से 7 लोगों की थी। उन्होने पत्रकारों की एक मजबूत पीढी तैयार करने का कार्य किया। भारतीय बस्ती के प्रति वे आजीवन समर्पित रहे। डा. अश्विनी गुप्ता, शैलेन्द्र गुप्ता, संजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल आदि ने स्मृतियों को साझा किया। आभार ज्ञापन सम्पादक दिनेश सिंह ने किया। आरम्भ में शिक्षक सूर्य प्रकाश शुक्ल द्वारा वैदिक मंत्रों का पाठ कर मां सरस्वती की वंदना की गई।

संचालन करते हुये भारतीय बस्ती के सम्पादक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि अति शीघ्र पं. दिनेश सांकृत्यायन पर केन्द्रित पुस्तक प्रकाशन के साथ ही उनकी स्मृति में प्रति वर्ष पत्रकारों को सम्मानित किया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, राहुल सांकृत्यायन, वागार्थ सांकृत्यायन, आदर्श सांकृत्यायन, सात्विक गोयल, हरिओम, रवीश मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव, राकेश चन्द्र बिन्नू, अनूप मिश्र, महेन्द्र तिवारी, विजय पाण्डेय, चन्द्रबली मिश्र, रामबाबू श्रीवास्तव, राजाराम यादव, दीन दयाल तिवारी, राहुल त्रिपाठी, ओम प्रकाश पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, विजय प्रकाश चौधरी, विवेक श्रीवास्तव, राधेश्याम मिश्र, रितिक, विवेक त्रिपाठी, मुन्ना मिश्र, कन्हैया सिंह, राजेश उपाध्याय, राम अधार पाल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, बलराम चौबे, कपीश मिश्र, शम्भूनाथ गुप्ता, अरूणेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, गणेश सोनी, रविन्द्र गौतम, राकेश तिवारी, मनोज यादव, हरिओम प्रकाश 'लल्ला', आशीष शुक्ल सैनिक, प्रिन्स शुक्ल, मो. सामईन फारूकी, वकील अहमद सिद्दीकी, अरूण कुमार, प्रद्युम्न शुक्ल, सूर्य कुमार शुक्ल, वीरेन्द्र पाण्डेय, शिवशंकर पप्पू, उदयभान, सन्तोष पाल, अनिल सिंह, शिवराज सिंह, राम चरन चौधरी, संदीप गोयल, प्रवीन श्रीवास्तव, सन्तोष तिवारी, सुरेश सिंह गौतम, डा. नवीन सिंह, गरूणध्वज, अमरमणि पाण्डेय, अर्जुन उपाध्याय, अमरेश पाण्डेय, अभय सिंह यादव, अश्विनी तिवारी, राम विनय पाण्डेय, बैजनाथ मिश्र, चन्द्रभूषण श्रीवास्तव, मनोज सिंह, विवेक मिश्र, जितेन्द्र यादव 'जीत' संजय कुमार, अनूप खरे, ओम प्रकाश कसौधन, वशिष्ठ पाण्डेय, सन्तोष श्रीवास्तव, बटुकनाथ शुक्ल, श्याम प्रकाश शर्मा, सिद्धेश सिन्हा, राजेश चित्रगुप्त, रमेश मिश्र, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, अनुरोध श्रीवास्तव, बाबूराम सिंह एडवोकेट, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र उपाध्याय, लवकुश सिंह, सुरेन्द्र सिंह छोटे, पं. सरोज मिश्र, जिशान हैदर रिजवी, अनिल श्रीवास्तव, अरूणेन्द्र पटेल, शंहशाह आलम, राहुल श्रीवास्तव, फिरोज इराकी, हरिस्वरूप दूबे के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी, राजनीतिज्ञ और विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जुलाई 2025 सोमवार

सम्पादकीय

युद्ध और तकनीक

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने–सामने की लड़ाई के विपरीत गैर–संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है। वास्तव में, भारत ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए अधिकांश ड्रोनों को मुख्य रूप से अपनी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के बूते ही बेअसर करने में सक्षम रहा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ये भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों के भी अनुकूल हों। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।

इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन–प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन–रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है। हमें न केवल अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है बल्कि ड्रोन व यूएवी तकनीक में ऐसी महारथ हासिल करनी है कि हम इनके निर्यातक के रूप में हथियार बाजार में अपनी पहचान बना सकें। निश्चित रूप से हम इससे अपनी विशाल युवा शक्ति के बूते और नई पीढ़ी के कौशल विकास से इन लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इससे जहां हम बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकेंगे, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी अर्जित कर सकेंगे। हम देख रहे हैं कि दुनिया में आज उन्हीं देशों की कूटनीति का वर्चस्व है, जिनका हथियार उद्योग व तकनीकी नवाचार में बोलबाला है।

पंच परिवर्तन और समाज

–प्रो. संजय द्विवेदी–

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकूल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ–साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मतदाधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत

पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे– "स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा।" राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय–समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़–पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़–पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं– "मनखे–मनखे एक हैं।" किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे– "अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है।" राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि– "अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए।" ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफ कर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

हमारी शक्ति है 'कुटुंब'

आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है– कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति–पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे–संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ–साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान–पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है।

पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में भी भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट्र के रूप में संबल देने का काम करेंगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं। परिवारों में आएं। इससे एक सबल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत बनेगा। आचरण की शुचिता से आए परिवर्तन ही स्थाई होते हैं। इससे ही हमारे मन में राम रमेंगें और देश में रामराज्य आएगा।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य और अध्यक्ष हैं।) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बिहार में सुशासन के बदले जंगलराज

– ललित गर्ग–

बिहार में एक बार फिर कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन–दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला–बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतुके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिंताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून–व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वहीं एनडीए इन मुद्दों पर जवाबी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं है। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार–बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून–व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू–राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू–राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की मानें तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून–व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी–कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे है कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस–प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा।

आरक्षण, 'संविधान मान स्तम्भ दिवस मनायेंगे समाजवादीः पूर्व सांसद फूलनदेवी को करेंगे नमन

बैठक में बनी रणनीति, बूथ स्तर पर मजबूती पर जोर पीडीए के माध्यम से संविधान की रक्षा को बचनबद्ध हैं समाजवादी- महेन्द्रनाथ यादव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी पार्टी की बैठक सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 25 जुलाई को वीरांगना पूर्व सांसद फूलनदेवी की पुण्य तिथि पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में मनाये जाने और 26 जुलाई को आरक्षण और 'संविधान मान स्तम्भ दिवस' के रूप में मनाये जाने की रूप रेखा पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि पूर्व सांसद फूलनदेवी की पुण्य तिथि पर आयोजन के साथ ही 26 जुलाई को आरक्षण और 'संविधान मान स्तम्भ दिवस आफिसर्स क्लब के परिसर में दिन में 10 बजे से मनाया जायेगा। इसके लिये पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं में दायित्वों का वितरण कर दिया गया है। कहा कि कार्यक्रम में प्रदेश सचिव महेन्द्र चौहान के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेता विचारक हिस्सा लेंगे। कहा कि समाजवादी विचारधारा के लोग पीडीए के माध्यम से संविधान की रक्षा को बचनबद्ध है।

बैठक में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', मो. स्वालेह, मो. सलीम, अरविन्द यादव, विजय विक्रम आर्य, आर.डी. निषाद, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, अजय यादव, समीर चौधरी, रन बहादुर यादव, विपिन त्रिपाठी, तूफानी यादव, बैजनाथ शर्मा, आर. डी. गोस्वामी, अरविन्द सोनकर, गीता भारती आदि ने कहा कि संविधान की रक्षा, साप्रदायिक शक्तियों से लड़ने के लिये हमें निरन्तर कठिन परिश्रम करना होगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी निर्णायक जीत हासिल करने के लिये बूथ स्तर पर निरन्तर सक्रियता बनाये रखना होगा। भाजपा संविधान और आरक्षण दोनों को बदलने के लिये निरन्तर माहौल बना रही है। उसके मंसूबे सफल न होने पाये इसके लिये समाजवादियों को संघर्ष जारी रखना होगा।

बैठक में मुख्य रूप से राम सिंह यादव, गुलाब सोनकर, दीपक आर्य, सुशील यादव, युनूस आलम, जितेन्द्र यादव, राजदेव प्रसाद, जमील अहमद, मो. समीर, भोला पाण्डेय, विश्वम्भर चौधरी, राम अशीष वर्मा, राजू गौड़, हरीश, रामशव्द यादव, जहीर, संजय गौतम, रामसकल मौर्य, राहुल सिंह, पंकज निषाद, राम प्रकाश सुमन, निजामुद्दीन, कक्कू शुक्ला गौरीशंकर, अरूण कुमार मिश्र के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जयन्ती पर कांग्रेस ने विद्रोह के नायक मंगल पाण्डेय को किया नमन्

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। 1857 के विद्रोह के नायक मंगल पाण्डेय को उनकी जयन्ती पर कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में याद किया गया। कांग्रेस नेताओं ने मंगल पाण्डेय के चित्र पर माल्र्यापण के बाद उनके योगदान पर चर्चा किया। कांग्रेस नेता संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि मंगल पाण्डे भारतीय इतिहास में एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी हैं। उन्होंने देश को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्हें भारत के पहले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक के रूप में जाना जाता है। कार्य्रक्रम का संचालन करते हुये डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने कहा कि मंगल पाण्डेय को 1857 के सिपाही विद्रोह का नायक माना जाता है और 1857 के विद्रोह में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। कांग्रेस नेता रामबचन भारती, शौकत अली नन्हू, लालजीत पहलवान ने कहा कि मंगल पाण्डेय जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्हें कई रेजिमेंट अधिकारियों पर हमलों में भाग लेने के लिए जाना जाता था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। जयन्ती पर मंगल पाण्डेय को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से रामधीरज चौधरी, अलीम अख्तर, राहुल चौधरी, सद्दाम हुसेन, गुड्डू सोनकर, सर्वेश कुमार शुक्ल, विनय तिवारी, अशरफ अली, फिराज खान, मनोज कुमार पाण्डेय, जय प्रकाश अग्रहरि, आनन्द कुमार निषाद आदि शामिल रहे।

पत्नी की पिटाई से शराबी पति की मौत

संवाददाता—कुशीनगर। ाराब पीने के लिए गहने बेचने जा रहे पति को उसकी पत्नी ने मार डाला। पत्नी ने पति के सिर पर डंडे से घातक प्रहार किए। पत्नी के इस हमले में पति की जान चली गई। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल बकुलहा ब्रह्मस्थान के पास यह घटना हुई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

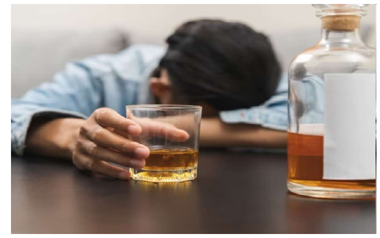

जंगल बकुलहा ब्रह्मस्थान निवासी लालचंद (उम्र 40 वर्ष) शराब का आदी था। इसको लेकर आए दिन पत्नी किरन से उसका विवाद होता था। शनिवार की शाम लालचंद शराब पीने के लिए पत्नी के गहने बेचने ले जा रहा था। पत्नी ने रोका तो उसने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। किरन उठी और उसने डंडे से लालचंद के सिर पर प्रहार कर दिया। लालचंद जमीन पर गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने लालचंद का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लालचंद की भाभी सोनमती की तहरीर पर किरन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। लालचंद के चार बच्चे हैं। उनका रो—रो कर बुरा हाल है। कोतवाल हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि सिर पर डंडा लगने से पति की मौत हुई है। कार्रवाई की जा रही है।

वहीं कुशीनगर के ही हाटा कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने दहेज हत्या में वांछित चल रहे तीन हत्यारोपियों को उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हाटा नगर के वार्ड नंबर 24 हरिटोला निवासी वांछित दहेज हत्यारोपी ओमप्रकाश विश्वकर्मा पुत्र स्व. जगदीश, किशन विश्वकर्मा पुत्र ओमप्रकाश विश्वकर्मा तथा ज्ञान्ती देवी पत्नी ओमप्रकाश को दोपहर में कोतवाल रामसहाय चौहान और उनकी टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नौसागर पीएचसी में लगा मुख्यमंत्री आरोग्य मेला

संवाददाता—महराजगंज। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौसागर में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। डॉ. संजय मिश्रा ने मेले में मरीजों का इलाज किया। मेले में कुल 45 मरीजों ने अपनी जांच कराई। इनमें सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, त्वचा रोग, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीज शामिल थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी शान्ती यादव पुत्री श्री राकेश यादव निवासी ग्राम— मिर्जापुर पोस्ट— मुमताजनगर तहसील सोहावल जिला अयोध्या की निवासिनी है। मेरे आधारकार्ड में त्रुटिबश मेरा नाम मुस्कान अंकित हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर शान्ती यादव कराया जाय।

लेखपाल पर बिना आदेश के हरा पेड़ कटवाने का आरोपः जांच, कार्रवाई की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के पेलनी निवासी राम मिलन ने डी.एफ.ओ. के साथ ही अन्य विभागीय अधिकारियों को पत्र देकर कहा है कि वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत 2008 में सुरक्षित भूमि पर लगाये गये नीम, आम, सागौन, चिलबिल, बास आदि के लगभग 15 से अधिक पेड़ों को लेखपाल जय प्रकाश वर्मा ने अपनी मौजूदगी में जबरिया कटवा दिया। विरोध करने पर जेल भेजवा देने की धमकी दिया।

पत्र में राम मिलन ने कहा है कि हरे पेड़ों को कटवाने के लिये कोई आदेश भी नहीं लिया गया। जब इस सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भानपुर से जानकारी मांगी गयी तो उनका कहना

था कि इस प्रकार का कोई आदेश उनके द्वारा नहीं दिया गया। लेखपाल जय प्रकाश वर्मा 5 सफाई कर्मियों को बुलाकर लाये और पेड़ को कटवा ले गये। राम मिलन का कहना है कि गांव के ही मुनिराम, मुन्नीलाल पुत्रगण रामलखन, कृष्णचन्द्र पुत्र मुनिराम, सावित्री पत्नी कृष्ण चन्द्र आदि के शह पर लेखपाल ने पेड़ कटवाया है। उन्होने उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाय।

स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर पंचायत भानपुर मण्डल में अव्वल

स्वस्थ, सुन्दर भानपुर के लिये नागरिक करें सहयोग—ऋचा सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। स्वच्छ सर्वेक्षण के घोषित किये गये परिणाम में नवसृजित नगर पंचायत भानपुर ने पहली बार सर्वेक्षण में प्रतिभाग किया गया। अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने बताया कि नगर पंचायत भानपुर को डोर—टू—डोर फूल कूडा कलेक्शन में 78: प्रतिशत के साथ मण्डल में अब प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।बताया कि निकाय को कुल 771 निकायों में 253 स्थान प्राप्त हुआ है। सिटी रिपोर्ट कार्ड के अनुसार नगर पंचायत भानपुर को डोर टू डोर कलेक्शन में 78: जनित कूड़े के प्रसंस्करण हेतु 98: आवासीय हेतु व्यापारिक क्षेत्र व सार्वजनिक शौचालयो की सफाई हेतु 100: परिणाम दिया गया है। निकाय को 12500 अधिकत अंक के सापेक्ष 7662 अंक प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय अंक औसत 6455 से 1207 अंक अधिक है।

अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी भानपुर के मागदर्शन और सबके सहयोग से यह सफलता मिली है। इस दिशा में कार्य अनवरत जारी रहेगा। उन्होने नगर पंचायत भानपुर के नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता के साथ ही नगर पंचायत द्वारा क्षेत्र को स्वस्थ, सुन्दर बनाने की दिशा में चलाये जा रहे अभियानों में सहयोग करें जिससे नगर पंचायत प्रदेश में सबसे अग्रणी स्थान हासिल कर सके।

डायट में ब्लाक स्तरीय संदर्भदाताओं का एफएलएन प्रशिक्षण सम्पन्न

शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण जरूरी— संजय शुक्ल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों का ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि आप सभी लोग ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता हैं। शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों का समय—समय पर प्रशिक्षण जरूरी है। ब्लाकों में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए शिक्षकों को सक्रिय रूप से शामिल करना, व्यावहारिक गतिविधियों को शामिल करना और सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाना महत्वपूर्ण है। शिक्षकों का प्रशिक्षण अच्छा होने पर ही छात्रों के सीखने के अनुभव में वृद्धि होगी और छात्रों की सहभागिता बढ़ेगी। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने बताया कि आप सभी अपने ब्लॉकों में शिक्षकों को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित करें। जब शिक्षकों का प्रशिक्षण अच्छा होगा तो निश्चित रूप से प्राथमिक विद्यालय में व्यापक बदलाव आएगा। प्रशिक्षण के संदर्भदाता प्रवक्ता वंदना चौधरी, एसआरजी आशीष श्रीवास्तव और अंगद पाण्डेय ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में विभाग द्वारा निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। कक्षा एक से लेकर पांच तक की भाषा, गणित और अंग्रेजी की पुस्तक, संदर्शिका और कार्यपुस्तिका का उपयोग, टीएलएम का उपयोग, ब्लेंडिंग तथा ग्रिड का प्रभावी उपयोग, निपुण भारत मिशन के संशोधित लक्ष्यों का अवलोकन, रेमेडियल शिक्षण, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग आदि के बारे में विस्तार से बताया।

प्रशिक्षण समापन के अवसर पर प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी, इमरान, कुलदीप चौधरी, डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, सन्तोष शुक्ल, रवीश मिश्र, काशीराम, योगेश सिंह, श्री नारायन मिश्र, प्रदीप गुप्ता, संतोष त्रिपाठी, आशीष दूबे, उमाशंकर पाण्डेय, बालमुकुंद, राहुल उपाध्याय, गिरिजेश सिंह, अनूप सिंह, अनिल पाण्डेय, मनोज उपाध्याय, प्रमोद ओझा, स्कन्द मिश्र, शुभेंदु सिंह, मंगला मौर्य, गरिमा त्रिपाठी, रुक्मिणी मिश्रा, शालू सिंह, संतोष सिंह, बृजेश, अखिलेश, शैलेश मिश्र, अभिषेक त्रिपाठी, महावीर यादव, अभिनव, अनुराग, अनिल यादव, राजकुमार, शिव प्रसाद, शिव बहादुर शर्मा, करुणेश पाण्डेय, मनीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अस्पताल के मरीजों, वृद्धा आश्रम में किया फल का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शनिवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी और भाजपा के नगर महामंत्री आशीष उर्फ कल्लू बाबा के नेतृत्व में व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री मनीष गुप्ता के जन्म दिन पर जिला और महिला अस्पताल, वृद्धा आश्रम में फल वितरित किया गया। भाजपा नेता राधेश्याम कमलापुरी ने दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री मनीष गुप्ता के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना करते हुये कहा कि वे लगातार व्यापारी हितों के कल्याण के लिये सक्रिय रहते हैं। फल वितरण में मुख्य रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी राजीव निगम, प्रमुख अधीक्षक खालिद रिजवान, ललिता के साथ ही भाजपा नेता राम कुमार साहू, दीपक गुप्ता, विनोद चौरसिया, ज्ञानू मद्धेशिया, आकाश सोनकर, अशोक गुप्ता, विक्की मोदनवाल, राजन सोनी, शुभम गुप्ता, बहरैची, मनोज शर्मा के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

मडई, दीवाल गिरा दियाः पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

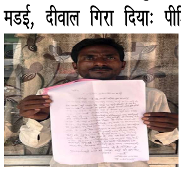

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के गोडियाजोत निवासी चन्द्रेश पुत्र सन्तराम ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में चन्द्रेश ने कहा है कि गांव के ही पट्टीदार विफना देवी पत्नी मेवालाल, उनकी पुत्रियों ने मिलकर रिहायशी मड़ई, दीवाल आदि को गिरा दिया। विरोधा करने पर जान से मारने की धमकी दिया। मौके पर पहुंची कलवारी पुलिस से कोई न्याय नहीं मिला। विफना देवी की बेटियां धमकी दे रही है कि चुप रहो वरना फर्जी मामलों में फंसा दिया जायेगा।

चन्द्रेश ने उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि उसके परिवार के जान माल के रक्षा के साथ ही दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ उसे मकान बनवाने दिया जाय।

शिव मंदिर का डीएम—एसपी ने किया निरीक्षण

संवाददाता—महराजगंज। सावन माह और कांवड़ यात्रा की तैयारियों के मद्देनजर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने इटहिया शिव मंदिर का दौरा किया। दोनों अधिकारियों ने पंचमुखी भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 28 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस अधीक्षक ने महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सादी वर्दी में पुलिस कर्मियों की तैनाती का निर्देश दिया है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सफाई, बिजली, पानी और शौचालय की व्यवस्था की गई है। एसडीएम और सीओ निचलौल से मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर

पत्राक 700 / न०पा०परि० सि०न०/2025—2026 दिनांक 16/07/2025

अल्पकालीन ई—प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यो हेतु ई—निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित किया जाता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध हैं, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है—

A	ई—प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	19.07.2025
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	19.07.2025 अपराह्न 05.00 बजे से
C	ई—प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	05.08.2025 अपराहन04:00 बजे तक।
D	ई—प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	09.08.2025 प्रातः 11:00 बजे
E	ई—प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	10.08.2025 प्रातः11:00 बजे
F	ई—निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

कार्यालय नगर पंचायत गायघाट, बस्ती

दर आमंत्रण/निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त सम्बन्धित ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गायघाट, बस्ती में राज्य वित्त आयोग के प्राप्त धनराशि से दर आमत्रण हेतु मोहरबन्द निविदा/दर दिनांक 28—07—2025 समय 12:00 दिन तक कार्यालय नगर पंचायत गायघाट पर आमंत्रित किया जाता हैं तथा प्राप्त दरों को उसी दिन समय 4:00 बजे दिन में अध्यक्ष महोदय द्वारा उपस्थित ठेकेदारो/प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र की विक्री दिनांक 26—07—2025 समय 4:00 बजे तक नगर पंचायत गायघाट बस्ती कार्यालय पर की जायेगी। यदि इस सन्दर्भ में इसके अतिरिक्त कोई अन्य सूचना/जानकारी चाहते है तो दिनांक 26—07—2025 समय 4:00 बजे तक नगर पंचायत गायघाट कार्यालय से ज्ञात कर सकते है। विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	योजना का नाम	दर	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	चूना	राज्य वित्त आयोग	—	20000.00	1000.00	वित्तीय वर्ष 2025—26 की शेष अवधि तक
2	फॉगिंग कैमिकल		—			
3	ब्लीचिंग पाउडर		—			
4	टेमीफास		—			
5	हर्बीसाइड (ग्लाईफोसेट)		—			
6	फिनायल		—			
7	मैलाथियान लिक्विड		—			
8	मैलाथियान पाउडर		—			

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गायघाट
जनपद—बस्ती। बस्ती।

सुनील कुमार
अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट
जनपद—बस्ती। बस्ती।

पत्रांकः 188/न0प0गा0/2025—26 दिनांकः 18.07.2025

बम बम भोले के जयकारों से गूंजी रामनगरी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी रविवार को बम बम भोले के जयकारों से गूंज उठी। हजारों की संख्या में कांवड़िया अयोध्या पहुंचे। सरयू में स्नान कर नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। इसके बाद सरयू में जल भर कर बस्ती के भदेश्वर नाथ मंदिर के लिए रवाना हुए। यह सभी कांवड़िया बस्ती जिले के भदेश्वर नाथ पहुंचकर सोमवार को जलाभिषेक करेंगे। सावन का पावन महीना और भगवान शिव की भक्ति की दिव्य झलक आज अयोध्या के सरयू तट पर नजर आई। सावन के दूसरे सोमवार और त्रयोदशी पर्व को लेकर अयोध्या में कांवड़ियों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। शिवभक्तों की टोलियां सरयू जल लेने, दर्शन पूजन और रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए पहुंचने लगी हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि सावन के दूसरे सोमवार को अयोध्या में कावड़ियों का रेला उमड़ेगा। अयोध्या में सावन के चलते चारों ओर हर हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष गूंज रहे हैं। सरयू घाट, परिक्रमा मार्ग, रामपथ, ध र्मपथ, हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि मार्ग पर श्रद्धालुओं की चहल–पहल पहले से ज्यादा बढ़ गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
कं0वाद सं0–T20161714033421
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

श्रीमती शोहरता देवी
बनाम
रामदुलारे

1/1 बृजराज 1/2 शिवशरन 1/3 पंचराम 1/4 राममूरत 1/5 रामजनम पुत्रगण स्व0 रामदुलारे 1/6 श्रीमती शोहरता पत्नी राम दुलारे साकिनान मौजा व्योतहरा तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम प्रधान निवासी ग्राम व्योतहरा तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–391/2011

रामदत्त आदि
बनाम
दधीच आदि

1. श्रीमती प्रभावती देवी विधवा पत्नी रोशन कुमार निवासी ग्राम कुसम्हा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
2. युवांश नावालिग पुत्र स्व0 रोशन कुमार ववलायत श्रीमती प्रभवती देवी माता स्वयं निवासी ग्राम कुसम्हा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–08–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय तहसील भानपुर जिला–बस्ती
वाद सं0–342/2023

जयकुमार
बनाम
रामचन्द्र

1. रामचन्द्र उम्र लगभग 63 वर्ष पुत्र सीताराम साकिन बंगरिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

इंस्टाग्राम पर इश्क, बेटा–बेटी और पति को छोड़ भाग गई महिला

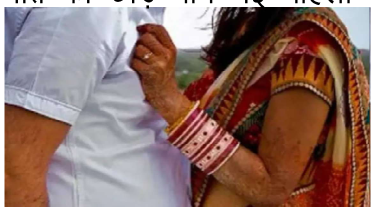

संवाददाता–गोरखपुर। पति–पत्नी के बीच बेवफाई के किस्से आए दिन सुनने को मिल रहे हैं। इसी बीच गोरखपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली एक शादीशुदा महिला इंस्टाग्राम दोस्त के साथ पंजाब भाग गई। उसके दो बच्चे 19 साल की बेटी और 10 साल का बेटा भी है। महिला के पति ने कोतवाली थाने में शनिवार की रात केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर ही है। कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले परविंदर (काल्पनिक नाम) ने पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। परविंदर ने बताया कि अपनी 42 वर्षीय पत्नी को सोने के जेवरात और 2 लाख रुपये दिए थे। दोनों बच्चों के भविष्य को देखते हुए उनकी पढ़ाई के लिए गहने और रुपये सुरक्षित रखने को कहा था। परविंदर ने बताया– मेरी पत्नी फेसबुक और इंस्टाग्राम चलाती है। इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती पंजाब के पटियाला में रहने वाले दिलबाग सिंह से हो गई। वह मेरी पत्नी को बहला फुसला 9 मई 2025 को भगा ले गया। मेरी पत्नी अपने साथ सोने के जेवरात और 2 लाख रुपये भी ले गई है। बहुत तलाश करने के बाद भी वे नहीं मिले। इधर बात हुई तो मैंने गहने और 2 लाख रुपये मांगे। परविंदर का आरोप है– पत्नी से गहने और रुपये मांगने पर उसका प्रेमी दिलबाग सिंह फोन करके जान से मारने की धमकी दे रहा है। बोलता है, 'तुम्हारे जेवर और पैसे हम लोग नहीं वापस करेंगे। तुम्हें और तुम्हारे बच्चे को भी जान से मार देंगे।' कोतवाली पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जांच करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की बैठक में मारपीट, दो पूर्व पदाधिकारी घायल

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस कमेटी की पूर्वी जोन की बैठक में रविवार सुबह मारपीट हो गई। देवरिया बाईपास के सत्यम लान में दो पूर्व ब्लाक अध्यक्षों ने जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी के ललकारने पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्रीश उपाध्याय, जयगोविंद, महासचिव व अनुशासन समिति के अध्यक्ष विनोद पांडेय, आलोक शुक्ल और 10 से ज्यादा अज्ञात कांग्रेसियों पर लाठी–डंडे व धारदार हथियारों से मारने का आरोप लगाया। बैठक में मारपीट से अफरातफरी मच गई। सूचना पर रामगढ़ताल थाने की पुलिस भी पहुंच गई। उरुवा के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी और गोला के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष जयप्रकाश तिवारी को चोट लगी है। सच्चिदानंद तिवारी एफआरआर दर्ज कराने के लिए रामगढ़ताल थाने पहुंचे हैं। जयप्रकाश तिवारी के जिला अस्पताल में भर्ती होने की सूचना है उरुवा ब्लाक के पूर्व अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी ने बताया कि रविवार को मैं, गोला ब्लाक के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश तिवारी, सुखराम यादव, जीतबंधन प्रसाद आदि के साथ सत्यम लान पहुंचा था। मुझे कुछ दिनों पहले छह वर्ष के लिए पार्टी से बर्खास्त कर दिया गया था। मैं लगातार पार्टी के लिए संघर्ष करता रहा। जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी के इशारे में ऐसा किया गया।

इस संबंध में राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय के सामने अपना पक्ष रखना चाह रहा था। हम लोग जैसे ही सत्यम लान के अंदर पहुंचकर मंच की ओर बढ़े, पहले से ही लाठी–डंडा और धारदार हथियार के साथ मौजूद श्रीश उपाध्याय, जयगोविंद, विनोद पांडेय, आलोक शुक्ल आदि ने रोकना शुरू कर दिया। हम आगे बढ़ने लगे तो जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने सभी को ललकारा कि इनको पीटकर बाहर भगाओ। इसके बाद सभी ने पिटाई शुरू कर दी। उस समय कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल भी थे, लेकिन किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की। सभी ने मिलकर बाहर कर दिया। मैंने 112 नंबर डायल कर पुलिस बुलाई। सच्चिदानंद तिवारी ने बताया कि घटना के कुछ ही देर बाद अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ सत्यम लान पहुंचे। मैंने उनसे मिलकर पत्रक सौंपा और खुद के साथ हुई घटना की जानकारी दी। बताया कि तकरीबन एक सप्ताह पहले भी जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में मुझे पीटा गया था। इसके बाद बिना अधिकार पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया था। सच्चिदानंद तिवारी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कंधे पर हाथ रखकर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। कांग्रेस के पूर्वी जोन में 12 जिले हैं। यहां संगठन को मजबूत करने, भाजपा के खिलाफ चुनाव में लड़ाई लड़ने आदि का गुर सिखाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, सुप्रिया श्रीनेत आदि की मौजूदगी में सत्यम लान में बैठक हो रही है। 11 जिलों के तकरीबन चार सौ जिला व शहर अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, ब्लाक प्रभारी सचिव, जिले के पांच–पांच प्रमुख वक्ता व प्रवक्ता, कार्यालय प्रभारी व जिला कांग्रेस कंट्रोल रूम के प्रभारी हिस्सा ले रहे हैं।

बागेश्वरी धाम मंदिर के महंत ने गोली मारकर आत्महत्या किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मंदिर के पुजारी ने गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। घटना शनिवार शाम की है, जहां मंदिर के मुख्य पुजारी प्रतिदिन की तरह सेवा किया। जिसके बाद पुजारी ने सेवादार से चाय लाने को कहा। जिसके बाद जैसे ही सेवादार रसोई की तरफ चाय बनाने गया। उसके बाद पुजारी ने कमरे को अंदर से बंद कर खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर मंदिर परिसर में मौजूद अन्य लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे, लेकिन महंत का कमरा अंदर से बंद था। पुजारी पवन कुमार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा खोला तो देखा पुजारी की मौत हो गई थी। घटना शिवनगर डिड़ई थाना क्षेत्र के धौराहरा स्थित प्रसिद्ध बागेश्वरी धाम मंदिर का है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत धौराहरा स्थित प्रसिद्ध बागेश्वरी धाम मंदिर है। मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सरजू दास (75) हैं। घटना शनिवार लगभग शाम 4 बजे की बताई जा रही है। मंदिर परिसर स्थित उनके कमरे से अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। मंदिर में रह रहे सेवादार नारायण दत्त पांडे ने बताया कि घटना से कुछ समय पहले महंत ने उनसे चाय लाने को कहा था। वे जैसे ही रसोई की ओर गए, तभी गोली चलने की आवाज आई। घटना की सूचना मिलते ही सीओ बांसी प्रवीण प्रकाश, सीओ इटवा शुभेंदु सिंह और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। कमरे का लोहे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, जहां महंत सरजू दास का रक्तरंजित शव पड़ा मिला। उनके कनपटी पर गोली का निशान था। पुलिस को मौके से 315 बोर का एक देसी कट्टा भी बरामद हुआ है।

डीएम ने शौचालय और बाउंड्रीवाल की क्वालिटी खराब होने पर पुनर्निर्माण के दिए आदेश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने रविवार को नगर पंचायत भारतभारी के वार्ड 12 स्थित प्राथमिक विद्यालय सोतवा का निरीक्षण किया।

नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे शौचालय, बाउंड्रीवाल और इंटरलॉकिंग कार्यों में गंभीर खामियां मिलीं। जिलाधिकारी ने शौचालय की खराब गुणवत्ता पर नाराजगी जताई।

जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से शौचालय का पुनर्निर्माण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट किया कि सरकारी धन से होने वाले कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। टेक्निकल इंजीनियर अंकित सिंह से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

नगर पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी निर्माण कार्य समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे करें।

जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि जनहित के कार्यों में गुणवत्ता से समझौता करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत के अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद थे।

हाईवे पर मगहर के पास भारी वाहनों की लगी कतार, लोग परेशान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में अयोध्या में कांवड़ यात्रा और श्रावण झूला मेला को लेकर गोरखपुर–लखनऊ राजमार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन रोके जाने से हाईवे पर वाहनों की कतार लग रही है। आवागमन प्रभावित न हो, इसके लिए रूट डायवर्जन किया गया है। बदले मार्ग से वाहनों को भेजा जा रहा है, लेकिन काफी संख्या में भारी वाहनों के चालक सड़क किनारे वाहनों को खड़ा कर दे रहे है। वहीं दूसरी तरफ दुर्गा मंदिर से लेकर आमी नदी के पार तक वाहनों की लंबी कतार लग जाने से जाम की समस्या उत्पन्न हो गई। टीएसआई परमहंस अपने सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ जाम हटवाने को लेकर जूझते नजर आए।

गोरखपुर–लखनऊ राजमार्ग पर दुर्गा मंदिर मगहर, सोनी होटल के पास, खलीलाबाद के मेंहदावल बाईपास चौराहा और बस्ती जनपद की सीमा पर टेमा रहमत के पास बैरियर लगाए गए हैं। इसमें गोरखपुर की तरफ से आने वाले माल वाहक, भारी वाहन, ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर जैसे वाहनों को मगहर दुर्गा मंदिर के पास ही रोका जा रहा है। इन वाहनों को घघसरा– बखिरा– नंदौर–बांसी, बलरामपुर, गोंडा होकर लखनऊ भेजा जा रहा है। ऐसी ही व्यवस्था टेमा रहमत चौराहे पर भी की गई है। यहां भी बैरियर लगाकर बड़े वाहनों को रोकने की व्यवस्था है।

कार्यालय आदर्श नगर पालिका परिषद महराजगंज, जनपद–महाजगंज

स्वच्छ महराजगंज | स्वच्छ सर्वेक्षण–2025 | सुन्दर महराजगंज

भारतीय बस्ती के स्थापना दिवस पर नगर पालिका परिषद महराजगंज, जनपद–महराजगंज हार्दिक बधाई देते हुए निम्न अपील करती है।

–:: अपील ::–

1– डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में हरे कूड़ेदार मे गीला कचरा व नीले कूड़ेदान मे सूखा कचरा डाले।
2– वृक्षारोपण अभियान '' एक पेड़ मॉ के नाम'' में प्रतिभाग कर पर्यावरण को संरक्षण करने में सहयोग प्रदान करे।
3– गृहकर/ जलकर/ जलमूल्य के बकाया करों की अदायगी समय से करे।
4– जन्म एवं मृत्यु की सूचना कार्यालय में 21 दिन के अन्दर दें।
5– कान्हा गौशाला में रखे गये गौवंशो के लिए रोटी व चारा आदि को दान करे।
6– नगर को कूड़ा मुक्त बनाने मे सहयोग प्रधन करें तथा प्रतिबन्धित पॉलीथिन का उपयोग न करें।

सम्मानित सदस्यगण

1. श्री दीपक 2. श्रीमती सुराती देवी 3. श्री ब्रज किशोर सिंह 4.श्रीमती जनिता 5. श्री जितेन्द्र कुमार 6. श्री गोरखनाथ 7. श्री महेन्द्र 8. श्री राजेन्द्र गौतम 9. श्री ऋषिकेश 10. श्रीमती रोहिणी 11. श्री अजय कुमार गुपता 12. श्रीमती रीनू 13. श्रीमती दुर्गावती 14. श्री अमितेश कुमार 15. श्री बृजेन्द्र 16. श्रीमती संगीता 17. श्री राहुल पाण्डेय 18. श्री सदरे आलम 19. श्री राणा 20. श्रीमती रहमतुन निशा 21. श्री लालजी 22. श्री सिद्धार्थनाथ शुक्ल 23 श्री गोरख 24. श्रीमती प्रमिला 25. श्रीमती सावित्री

(आलोक कुमार)	(डॉ पुष्पलता मंगल)	(प्रशान्त कुमार)	(संतोष कुमार शर्मा)
अधिशाषी अधिकारी	अध्यक्ष	अपर जिलाधिकारी	जिलाधिकारी
न0पा0प0 महराजगंज	न0पा0प0 महराजगंज	(वि0/रा0) महराजगंज	महराजगंज

पत्रांक– मेमो /न0पा0प0मह0/2025–26 दिनांकः– 19–07–2025

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–625/2024

ओम प्रकाश आदि
बनाम
भीमसेन आदि

1. भीमसेन उम्र 50 साल पुत्र रामअजोर 2. संतोष वालिग 3. दीपक वालिग पुत्रगण वशिष्ट 6. सुदिष्ट उम्र लगभग 16 साल 7. प्रिन्स उम्र लगभग 14 साल नावालिगान पुत्रगण भीमसेन बवलायत भीमसेन पिता हकीकी साकिनान उभाई तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती पोस्ट भदावल

तारीख पेशी 11–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–586/2005

बदरी आदि
बनाम
रामरक्षा आदि

4/1 रंगीलाल पुत्र स्व0 रामदेव 4/2 नीलू पुत्र स्व0 रामदेव साकिनान मौजा बंजरिया खलीलाबाद तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

5/1 बमभोले पुत्र स्व0 जोखन 5/2 सोना देवी पुत्री स्व0 जोखन 5/3 विन्दू देवी पुत्री स्व0 जोखन साकिनान मौजा ईटहर तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील बस्ती जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 10–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–146/2024

विजय बहादुर
बनाम
शिवराजी देवी

1. शिवराजी देवी पत्नी विजय बहादुर निवासी मौजा सलारपुर राजौर हाल मुकाम ग्राम गोड़ियाजोत तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com